(c) the amount of arrears outstanding?

The Minister of State in the Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Cooperation (Shri Annasahib Shinde): (a) Yes, the matter is under consideration of Delhi Administration.

(b) No. As against an annual demand of Rs. 4 lakhs (approximately) the collections of land revenue, current and arrear, during the last two years amount to Rs. 21,59,874. The total collections during last 7 years amount to Rs. 31,91,182. Figures for the period prior to 1960 are not readily available.

(c) A sum of Rs. 18,89,652 is outstanding as arrears of land revenue as on 1-7-1967.

सामुदायिक विकास कार्य

*1667. **श्री सिद्धेश्वर प्रसाद** : क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अधिकतर राज्यों में सामुदायिक विकास कार्यों के रुक जाने के क्या कारण हैं ;

(ख) इस स्थिति को सुधारने के लिये क्या कार्यवाही की जा रही है ; और

(ग) खण्ड कार्यालयों की व्यवस्था को सुधारने के लिए किन-किन राज्यों में कार्यवाही की गई है, तथा क्या कार्यवाही की गई है और उसका क्या परिणाम रहा है ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मन्त्रालय में राज्य मन्त्री (श्री एम० एस० गुरुपदस्वामी) : (क) सामुदायिक विकास कार्यक्रम में गतिरोध के मुख्य कारण कार्यक्रम प्राथमिकताओं में परिवर्तन, साधनों की कमी और अपेक्षित स्तरों की कुशलता तथा जानकारी वाली विस्तार सेवाओं की आनुपातिक अपर्याप्तता हो सकते हैं ।

(ख) सामुदायिक विकास संबंधी नीति के नये सूत्र, जो तैयार किए गए हैं और राज्य सरकारों को उनकी राय के लिए भेजे गए हैं, के अन्तर्गत कार्यक्रम की विषय-वस्तु को पुनर्व्यवस्थित किया गया है ताकि चालू प्राथमिकताओं से उनका ठीक प्रकार से तालमेल हो । ऐसा करते समय स्थानीय आवश्यताओं तथा साधनों का ध्यान का रखा गया है । कुल साधनों की सीमाओं के भीतर सामुदायिक विकास कार्यक्रम के लिए अधिकतम परिव्यय प्राप्त करने के लिए प्रयत्न जारी हैं । राज्य सरकारों से भी अनुरोध किया गया है कि वे दूसरी विभागीय योजनाओं को उनके साधनों सहित ज्यादा से ज्यादा रूप में खण्ड अभिकरण को सौंप कर खण्ड कार्यक्रमों को मजबूत बनाएं । विस्तार कार्यकर्ताओं की कार्य करने की क्षमता में सुधार करने के लिए प्रशिक्षण तथा शिक्षा के कार्यक्रम भी शुरू किए गए हैं ।

(ग) महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, आन्ध्र प्रदेश और मद्रास जैसे राज्यों ने खण्ड अधिकरण को प्रचुर कार्यक्रम उनके साधनों सहित सौंपने की दिशा में कदम उठाए हैं । सभी राज्यों में ग्राम सेवक प्रशिक्षण केन्द्रों के उन्नयन और विस्तार अधिकारियों तथा जिला में उच्च स्तरीय कर्मचारियों के लिए विशेष पाठ्यक्रम आयोजित करने के कार्य हाथ में लिए हैं । मोटे तौर पर, ये उपाय लाभकारी प्रभाव डालने वाले प्रतीत हुए हैं ।

दिल्ली में मैदे और सूजी का वितरण

*1668. **श्री हरदयाल देवगुण :**
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री जगन्नाथ राव जोशी :
श्री रघुवीर सिंह शास्त्री :
श्री प्रकाशवीर शास्त्री :
श्री शिवकुमार शास्त्री :
श्री यशवन्तसिंह कुशवाह :